समुद्री कवक

स्रोत: डाउन टू अर्थ

समुद्री **कवक, जो महासागरीय बायोमास का 5%** भाग हैं, पारिस्थितिकी तंत्र में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा समुद्री तटों पर पी जाने वाली चट्टानों से लेकर गहरे जल में उगते हैं।

- **समुद्री कवक: समुद्री कवक सूक्ष्म जीव होते** हैं, जो समुद्र में पाए जाते हैं, तथा अपघटन, सहजीवन और जैवसक्रिय यौगिकों के उत्पादन में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।
- **प्रकार: अनिवार्य समुद्री कवक** (विशेष रूप से समुद्री), वैकल्पिक समुद्री कवक (स्थलीय वातावरण से विकसित, समुद्री आवासों में जीवित रह सकते हैं)
- **उत्तरजीविता की रणनीतियाँ:** समुद्री कवक बेहतर संसाधन प्रबंधन के लिये कोशिका रूप में परिवर्तित कर **फीस्ट फमिाइन की स्थितियों के अनुकूल बन जाते हैं।**
  - उदाहरण के लिये समुद्री शैवालों पर पाया जाने वाला ***??????????????????? ??????***, अपने पोषक को पचाने के लिये बैक्टीरिया से एँजाइम उत्पन्न करता है।
- **पारिस्थितिक महत्त्व:** समुद्री कवक **पोषक चक्रण, पारिस्थितिकी तंत्र स्थिरता के लिये महत्त्वपूर्ण हैं**।
  - **लाइकेन,** जो एक सहजीवी संबंध (कवक और शैवाल का एक साथ रहना) दर्शाते हैं, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में भी योगदान देते हैं।
- **कवक:** ये **यूकैरियोटिक जीव परपोषी** (अन्य पौधों या जानवरों का उपभोग करने वाले) होते हैं, जो मृतजीवी (मृत और सड़ते जीवों को खाने वाले) या परजीवी के रूप में कार्य **करते** हैं।
  - **कवक बीज़ाणुओं** के माध्यम से यौन या अलैंगिक रूप में प्रजनन करते हैं। **RH व्हिटेकर ने** कवक को एक अलग बहुकोशिकीय यूकैरियोटिक जगत के रूप में वर्गीकृत किया है।
- **कवक औषधि (जैसे, एँटीबायोटिक),** भोजन और उद्योग में लाभदायक होते हैं, लेकिन इनसे बीमारियाँ भी उत्पन्न होने की संभावना होती है साथ ही ये **विषाक्त माइकोटॉक्सिन भी उत्पन्न कर सकते हैं।**

और पढ़ें: कवक जगत का वर्गीकरण

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/marine-fungus